

दिपिका के सपना



लेखक: काजल भा

तह ६, कक्षा २

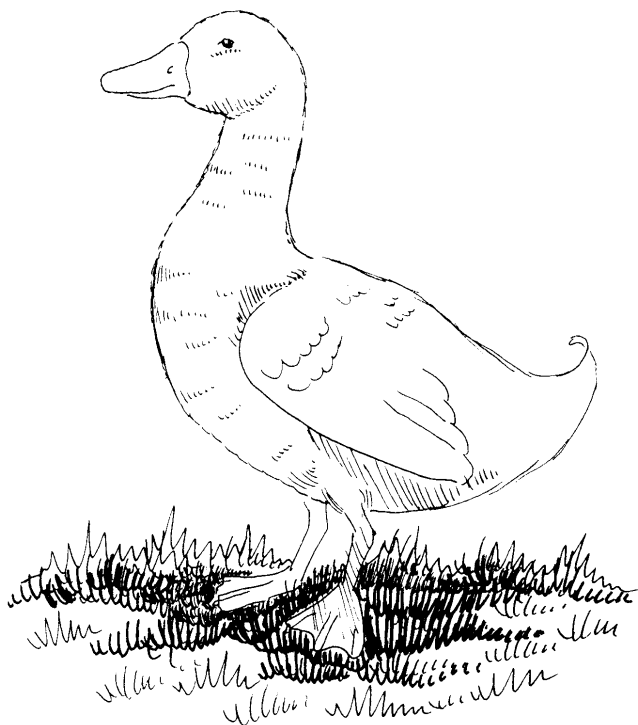
मैथिली



एगो दिपिका नामके लडकी
रहे। उ गरिब रहे। ओकरा
घरमे चारिगोटे रहे। उ ओकर
बहिन आ माय।



दिपिकाके माय घरघरमे जाक
काजकरे। ओइ पैसास घर
चलाबे। आ बेटीसबके सेहो
पढाबे।



दिपिका पढबो करै छल।
घरके काममे सेहो मदत
करैछल। दिपिका हाँस पोसने
रहे। ओइके आम्दनीस कापी,
किताब, लीड किनए।



दिपिका मेहनती रहे। ओकर
एगो सपना रहे। भबिष्यमे
गायिका बनी। गायिका बइनक
नाम, दाम दुनु कमाइ। उ
गीतके प्रतियोगितामे भाग
लिए। नीकगीत गाबे।



गायिका बनबाक ओकर
भीतरी इच्छा रहे। इ ओकर
माइके नइ नीक लगैछल।
माइ कहै गीत नइ गबै पढ।
तैयो दिपिका गीत गबैछल।



इस्कूलमे गीत प्रतियोगिताक
आयोजन हेबाक रहैक। मायस
चोराक गीत सिख जाइतरहैक।
ओकरा मायके मालुम भगेलै।
उ दिपिका पर खुब पितेलै।



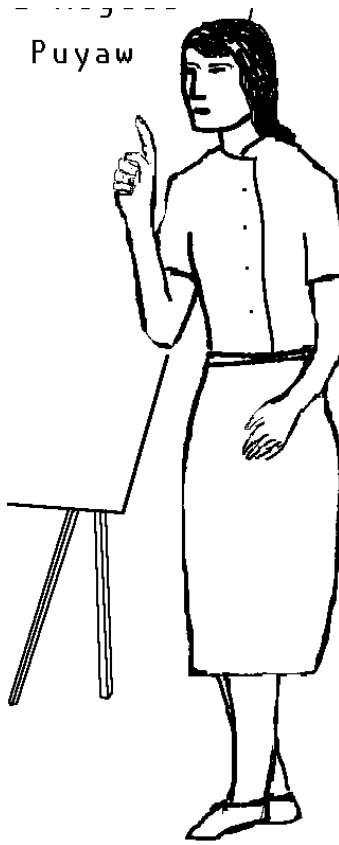
तैयो दिपिका अपन लक्ष्यपर
अडल रहे। नीकस पढ लगैछै।
गीतमे सेहो धियान दैछै।
गीतप्रति लगनसँ शिक्षिका
दिपिकाक घर जाइछै।



शिक्षिका दिपिका के माइके
कहैछै। दिपिका के आहाँ गीत
गाब दियौ। आहाँ ओकरा
हौसला दियौ।



दिपिका पढबाक सङ्गे गीतोमे
धियान देबलागल। गीतके
प्रतियोगिता सबमे भाग लैत
गेल।



एकदिन दिपिका प्रसिद्ध
गायिका बइन जाइछै। देशके
नाम उच्च करैछै। अपन घरके
स्थिति सेहो ठिक करैछै।